नातेदारी-व्यवस्था
(Kinship System)

नातेदारी-व्यवस्था का अर्थ
(Meaning of Kinship System)

सामाजिक मानव समाज मे अकेला नही होता । जन्म से लेकर मृत्यु तक वह अनेक व्यक्तियो से घिरा होता है, अर्थात् उसका सम्बन्ध एकाधिक व्यक्तियो से होता है । परन्तु इनमे से सबसे महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध उन व्यक्तियो के साथ होता है जो कि विवाह-बन्धन और रक्त-सम्बन्ध के आधार पर सम्बन्धित हैं । इनमे भी निकट तथा दूर के, घनिष्ठ तथा अघनिष्ठ, मधुर तथा कठोर हर प्रकार के सम्बन्धियो का समावेश रहता है, परन्तु स्मरण रहे कि ये सभी सम्बन्ध सामाजिक अन्त क्रिया का ही परिणाम होते हैं । इस प्रकार सामाजिक अन्त क्रिया के फलस्वरूप जो विशिष्ट तथा समाज द्वारा मान्यता प्राप्त सुव्यवस्थित सम्बन्ध-शृखला एक सामाजिक प्राणी को अन्य व्यक्तियो के साथ सयुक्त करती है उसे नातेदारी-व्यवस्था कहते हैं । मानवशास्त्रीय शब्दकोष (Dictionary of Anthropology) मे नातेदारी-व्यवस्था को निम्न शब्दो मे परिभाषित किया गया है—"नातेदारी-व्यवस्था मे समाज द्वारा मान्यता प्राप्त वे सम्बन्ध आ सकते हैं जो कि अनुमानित और रक्त-सम्बन्धो पर आधारित हो ।"[21] 'समाज द्वारा मान्यता प्राप्त इन सम्बन्धो' का क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत होता है, इसलिये सम्बन्ध की निकटता, घनिष्ठता, आत्मीयता आदि के आधार पर इन नाते रिश्तेदारो को कई श्रेणियो मे विभक्त किया जा सकता है ।